मूल्य : एक प्रति ₹ 0.50 वार्षिक ₹ 5.00

नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद

वर्ष 18, अंक 6

जून 2013

अंदर के पृष्ठों में . . . . . ➤

नज़ीरा पुस्तक मेला	2
क्वालालंपुर अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला	3
ट्रस्ट की दो पुस्तकों का लोकार्पण	3
अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला	4
बोलोना में बाल पुस्तक मेला	5
पुस्तक समीक्षा	6
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के नवीनतम प्रकाशन	7
चिट्ठीघर	8
सेवानिवृत्ति	8
आगामी पुस्तक मेले	8

नवीनतम प्रकाशन

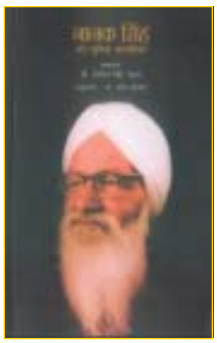

नानक सिंह की चुनिंदा कहानियाँ

संपा. : डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन'

अनु. : डॉ. शशि सहगल

पृ. 238 ₹ 110

ISBN 978-81-237-6802-1

नेशनल बुक ट्रस्ट किताब क्लब का सदस्य बनें एवं पुस्तकों पर 20 प्रतिशत की छूट पाएँ।

नेशनल बुक ट्रस्ट धर्मशाला पुस्तक मेला

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया और जिला प्रशासन, धर्मशाला के संयुक्त तत्वावधान में धर्मशाला के पुलिस मैदान में 8 से 14 मई, 2013 तक पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ उपायुक्त, कांगड़ा, श्री सी. पालरासू ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल बुक ट्रस्ट के इस आयोजन से समाज के सभी शिक्षित लोगों को उच्चकोटि के विद्वानों की रचित पुस्तकों का अवलोकन करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अभिभावकों एवं अध्यापकों से अनुरोध किया कि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि पैदा करने के लिए उन्हें अच्छा साहित्य उपलब्ध करवाएँ। इस अवसर पर तिब्बतियन स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के दूसरे दिन आयोजित एक कार्यशाला में हि.प्र. क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र, धर्मशाला के निदेशक श्री आर.सी. कौंडल ने कहा कि पुस्तकें ही हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि जीवन में कैसे सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यशाला में भागीदार अन्य विद्वान थे—राजीव शर्मा, डॉ. संजीव बरागटा, डॉ. शिवेंद्र, डॉ. सपना, लवनीश, डॉ. योगेंद्र मिश्र, डॉ. जया पांडेय, डॉ नीता और डॉ. पीयूष गुलेरी आदि। इस अवसर पर 'भारतीय संस्कृति में पुस्तकों में रुचि' विषय पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में महर्षि विद्या मंदिर, तिब्बतन विलेज स्कूल तथा कई अन्य स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पुस्तक मेले के दौरान नेशनल बुक ट्रस्ट के अनुभाग, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (रा.बा.सा.कें.) द्वारा बच्चों के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तीसरे दिन स्कूली बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम में एनबीटी पुस्तक मेले के समन्वयक श्री शेखर सरकार ने कहा कि सोशल नेटवर्किंग से युवाओं का ध्यान हटाकर किताबों में लगाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि किताबों में वास्तविक ज्ञान होता है जिसे पढ़कर व्यक्ति की सोच प्रभावित होती है तथा पुस्तकें दीर्घ काल तक आपके

साथ रहकर आपके जीवन के स्तर को बनाए रखती है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 'जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन' के डीन डॉ. अरविंद, दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. अनीता व पेतोन स्कूल के प्रिंसिपल नोरगे तेतिन आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

13 मई को मेला स्थल पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के प्रसिद्ध कवियों ने भाग लिया। इस कवि सम्मेलन में सुशील कुमार फुल्ल, डॉ. पीयूष गुलेरी, प्रमोद शर्मा, ललित मोहन शर्मा, प्रत्यूष शर्मा, वासुदेव शर्मा, नवनीत शर्मा, डॉ. गौतम शर्मा व्यथित, ओम अवस्थी, चंद्रशेखर राणा, राजकुमार, शैलबाला महापात्र, सरोज परमार, चंद्ररेखा डडवाल, राजीव त्रिगर्ती, आशा कुमारी व पूनम देवी आदि ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। चंबा व कुल्लुवी नाटी ने उपस्थित दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेले के समापन पर द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुलेरी ने जबकि अध्यक्षता पी. शर्मा ने की। राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र के संपादक एवं कवि मानस रंजन महापात्र ने भी कविताएँ सुनाईं। समापन अवसर पर हिमुडा-निदेशक सुरेश कुमार पप्पी बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

विदित हो कि सात साल बाद धर्मशाला में लगे इस सात दिवसीय पुस्तक मेले का एक दिन (11 मई) बारिश एवं तूफान की भेंट चढ़ गया, जबकि जिला प्रशासन के निदेश पर मेले का एक दिन पहले ही समापन कर दिया गया। तो भी पुस्तक मेले में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ, लेखक-पत्रकार-बुद्धिजीवी एवं पुस्तकप्रेमी आए। मेले में एनबीटी के स्टॉल के अलावा अन्य प्रकाशकों के भी स्टॉल लगे थे। पुस्तकों की जमकर खरीदारी हुई। मेले के दौरान कार्यशाला, संगोष्ठी आदि के आयोजन हुए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग पहुँचे।

पुस्तक मेले में ट्रस्ट की ओर से ट्रस्ट में उपनिदेशक श्री प्रदीप छाबड़ा, रा.बा.सा.कें. के संपादन श्री मानस रंजन महापात्र व सहायक निदेशक श्री राजीव चौधरी ने भाग लिया।

नज़ीरा पुस्तक मेला

नज़ीरा के सिविल प्रशासन तथा स्वयंसेवी संगठन, 'प्रवाह' के सहयोग से नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा 23 से 31 मार्च, 2013 के दौरान नज़ीरा गाँधी मैदान में एक पुस्तक मेला आयोजित किया गया।

'असम साहित्य सभा' के अध्यक्ष, श्री इमरान शाह ने नज़ीरा शहर में पहली बार आयोजित हुए पुस्तक मेले का उद्घाटन करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की तथा एनबीटी के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर 'असम पर्यटन विकास निगम' के अध्यक्ष, डॉ. हेमप्रभा सैकिया; उपप्रभागीय अधिकारी, श्री पी.के. दास तथा 'अखिल असम प्रकाशक एवं पुस्तक विक्रेता संघ' के अध्यक्ष, श्री देवव्रत सैकिया उपस्थित थे।

इससे पूर्व, नज़ीरा तथा आसपास के शहरों के सभी विद्यालयों से आए बच्चों द्वारा एक रंगारंग 'पुस्तक रैली' निकाली गई, जिसमें बच्चों ने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से युवाओं में पठन-प्रवृत्ति को विकसित करने का संदेश दिया और साथ ही, उन्हें एक साक्षर एवं पढ़े-लिखे समाज के लाभों से अवगत करवाया। हिंदी, अँग्रेजी सहित सभी भारतीय भाषाओं में सभी आयु-वर्गों के पाठकों के लिए विविध विषयों पर पुस्तकों की बिक्री एवं प्रदर्शन हेतु इस मेले में समूचे देश से अनेक प्रकाशक, पुस्तक-विक्रेता तथा वितरक आए। इन्होंने 125 स्टॉलों में अपनी पठन सामग्री को प्रदर्शित किया।

मेले में आयोजित विविध संगोष्ठियाँ, पैनल चर्चाएँ तथा बच्चों व आम जनता के लिए साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम यहाँ का विशेष आकर्षण थे। बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं तथा विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर 'टॉकिंग बुक्स लिंकिंग माइंड्स' शीर्षक से आयोजित संगोष्ठी के दौरान एनडीटीवी के वरिष्ठ पत्रकार, श्री संदीप फुकन ने कहा, "भारतीय संस्कृति वस्तुतः पुस्तक संस्कृति है तथा वैदिक काल से ही हमारे समाज में पुस्तक-पठन की महान परंपरा चली आ रही है।" उन्होंने यह भी कहा कि नियमित पठन प्रवृत्ति, सक्रिय सामाजिक भावना तथा सतत अनुसंधान सभी मीडियाकर्मियों के साथ सामान्य जनता की सफलता की भी प्रतिपुष्टि करते हैं। इस पुस्तक मेले का समन्वय एनबीटी के असमिया संपादक, श्री दीप सैकिया ने किया।

क्वालालंपुर अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला

32वाँ क्वालालंपुर अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला क्वालालंपुर के पुत्रा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में 26 अप्रैल से 5 मई, 2013 की अवधि में आयोजित किया गया। अफ्रो-एशियाई क्षेत्र के महत्वपूर्ण पुस्तक मेलों में से एक, क्वालालंपुर अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले का आयोजन नेशनल बुक काउंसिल ऑफ मलेशिया के माध्यम से मलेशिया के शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया गया। सहयोग मलेशियन बुक एसोसिएशन का रहा, जिसके अधीन अनेक संगठन शामिल थे।

पुस्तक मेले का उद्घाटन 27 अप्रैल को मलेशिया के उच्चतर शिक्षा के उपमंत्री वाई.बी. दातो सैफुद्दिन बिन अब्दुल्लाह ने किया। इस वर्ष सऊदी अरब को सम्मानित अतिथि देश का दर्जा दिया गया था। अतिथि देश को पुत्रा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के प्रतिष्ठित दीवान तुन हुसैन ऑन हॉल में प्रदर्शन एवं प्रस्तुति हेतु जगह दी गई।

इस बार के पुस्तक मेले में 700 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी रही तथा लाखों आगंतुक पुस्तक मेला में आए। इस बार के पुस्तक मेले का थीम था : 'पुस्तकें : सर्जनात्मक बौद्धिकता का सृजन (बुक्स : जेनरेटिंग क्रिएटिव इंटेलीजेंस)। पुस्तकप्रेमियों के लिए यहाँ प्रतिदिन अनेक गतिविधियाँ होती रहीं, जैसे–कार्यशालाएँ, पुस्तक लोकार्पण, संगोष्ठियाँ, लेखकों से संवाद तथा अन्य साहित्यिक कार्यक्रम।

पुस्तक मेला के एक भाग के रूप में प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र के लिए वार्षिक प्रतिलिप्यधिकार मेला भी लगा। इस क्षेत्र का यह सबसे बड़ा व्यापार और प्रतिलिप्यधिकार मेला है। इस मेले के माध्यम से स्थानीय और विदेशी व्यापारिक प्रदर्शकों को पर्याप्त लाभ मिलता है। इस वर्ष यह मेला 24 से 26 अप्रैल की अवधि में क्वालालंपुर के पुत्रा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में लगा। इसी स्थान पर 23 अप्रैल को क्वालालंपुर प्रकाशन एवं प्रतिलिप्यधिकार सम्मेलन भी आयोजित किया गया। सम्मेलन प्रतिलिप्यधिकार एवं बौद्धिक संपदा विक्रय पर केंद्रित था।

सम्मेलन में स्वागत उद्बोधन नेशनल बुक काउंसिल ऑफ मलेशिया के लिए स्थायी सचिवालय के निदेशक श्री अब्दुल वहाब बिन इब्राहिम ने किया। सम्मेलन में सम्मानित वक्ताओं में थे–सुश्री क्लॉडिया केसर, उपाध्यक्ष, व्यापार विकास, फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेला;

श्री वूपिंग झाओ, शंघाई ट्रांस्लेशन पब्लिशिंग हाउस; सुश्री अज्जा तविल, प्रकाशन निदेशक, ऑल प्रिंट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स एंड पब्लिशर्स, लेबनान; पीटर स्कॉपर्ट, निदेशक, एनयूएस प्रेस, सिंगापुर तथा माइकल भास्कर, डिजिटल पब्लिशिंग डायरेक्टर, प्रोफाइल बुक्स एंड सरपेंट्स टेल, यूनाइटेड किंग्डम।

पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का स्टॉल अंतरराष्ट्रीय मंडप में अवस्थित था। आगंतुक और पुस्तकप्रेमी भारतीय प्रकाशन की विभिन्न विधाओं के उत्कृष्ट रेंज को देखकर काफी खुश हुए। ट्रस्ट की लोकोपयोगी विज्ञान एवं नेहरू बाल पुस्तकालय पुस्तकमालाओं की पुस्तकें पाठकों की पसंदीदा पुस्तकें रहीं। क्वालालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग में द्वितीय सचिव श्री विनेश कुमार कालरा एनबीटी के स्टॉल पर आए और वहाँ प्रदर्शित भारतीय पुस्तकों की विविधता एवं उत्कृष्ट संग्रह को देखकर अभिभूत रह गए। उन्होंने एनबीटी के स्टॉल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस मेले में ट्रस्ट में सहायक निदेशक (प्रशिक्षण एवं परियोजना) श्री सुमित भट्टाचार्जी ने ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व किया।

ट्रस्ट की दो पुस्तकों का लोकार्पण

पुस्तकों का लोकार्पण करते हुए (सोफे पर) आशा कुंद्रा, सुधा नवल, शशि सहगल, शालिनी मदान तथा पीछे खड़े हैं प्रताप सहगल, ललित किशोर मंडोरा, प्रेम जनमेजय, हरीश नवल, पवल माथुर, प्रताप सिंह, राजेंदर सहगल, महेंद्र सहगल, आशीष कुमार तथा अन्य

17 मई, 2013 को नई दिल्ली में एक अनौचारिक कार्यक्रम में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा प्रकाशित प्रताप सहगल की पुस्तक 'मेरे श्रेष्ठ लघु नाटक' और डॉ. बलदेव सिंह बद्दन द्वारा संपादित तथा डॉ. शशि सहगल द्वारा अनूदित 'नानक सिंह की चुनिंदा कहानियाँ' का लोकार्पण एक साथ कई गणमान्य हिंदी लेखकों के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रेम जनमेजय ने प्रताप सहगल के नाट्य-कर्म तथा शशि सहगल के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए नेशनल बुक ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया कि इतनी अच्छी किताबें देखने को मिल रही है। बाद में उपस्थित कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला

24 से 29 अप्रैल, 2013 तक अबूधाबी के अबूधाबी नेशनल सेंटर में 23वाँ अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला आयोजित किया गया। अबूधाबी के युवराज, महामान्य शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के संरक्षण में आयोजित इस मेले का उद्घाटन अबूधाबी पर्यटन तथा संस्कृति प्राधिकरण के अध्यक्ष महामहिम शेख सुलतान बिन ताहूम अल नाहयान द्वारा किया गया।

मध्य-पूर्व में सबसे तेजी से विकास करने वाली पुस्तक प्रदर्शनियों में से एक इस मेले का मुख्य उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात के प्रकाशन उद्योग का विकास करना, पठन प्रोन्नयन करना तथा पूरे विश्व में अरबी मूल के अनेक लेखकों को एक मंच प्रदान करना है।

भारतीय पुस्तकों के लिए एक बढ़ते हुए बाजार के रूप में मध्य-पूर्व के महत्व को ध्यान में रखते हुए, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया नियमित रूप से इस मेले में भाग लेता है तथा अँग्रेजी, हिंदी, उर्दू तथा मलयालम की चुनिंदा पुस्तकों का प्रदर्शन किया जाता है। भारतीय दूतावास, अबूधाबी के सहयोग से आयोजित एक प्रकाशक-सम्मिलन में एनबीटी

स्टॉल पर, एनबीटी के निदेशक, श्री एम.ए. सिकंदर ने कहा, ''हम इस बाजार में भारतीय पुस्तकों के प्रोन्नयन हेतु कदम बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि ''पहली बार हम एक स्थानीय सहयोगी मेसर्स बुक लैंड, अबूधाबी के माध्यम से अपनी पुस्तकों की बिक्री कर रहे हैं। इस प्रकार, हम एनबीटी की पुस्तकें पढ़ने के इच्छुक पाठकों के एक बड़े समूह तक अपना संपर्क स्थापित कर पाएँगे।''

भारतीय दूतावास, अबूधाबी के द्वितीय सचिव (संस्कृति) सुश्री अमिया चक्रवर्ती तथा अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले के निदेशक एच.ई. शेख अलजुम्मा के अतिरिक्त प्रकाशकों के एक विशाल समूह ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

51 देशों से आए 1000 प्रदर्शकों ने 30 भाषाओं की लगभग 5,00,000 पुस्तकों के साथ इस मेले में भाग लिया। एनबीटी सहित लगभग 12 प्रकाशकों ने मेले में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस वर्ष मेले का केंद्र बिंदु था–खाड़ी देशों में प्रकाशन तथा डिजिटल प्रकाशन। अबूधाबी तेजी से अरब पुस्तक व्यापार का केंद्र बनता जा रहा है और यह मेला अरब खाड़ी क्षेत्र के पुस्तक विक्रेताओं, प्रकाशकों, वितरकों, औद्योगिक पेशेवरों तथा बाजार के मुख्य खिलाड़ियों तक पहुँचने का एक मार्ग है।

अरबी पठन समाज के बीच 'अनुवाद' एक बड़े आकर्षण का केंद्र है। यह अनुमान लगाया गया है कि बाजार में कुल प्रकाशित पुस्तकों में लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा अरबी भाषा में अनूदित पुस्तकों का है। अनुवाद हेतु दूसरे अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अनुवाद के विविध क्षेत्रों पर आधारित चार कार्यशालाएँ आयोजित हुईं, जहाँ लागभग 20 देशों के 60 से अधिक अनुवादक व शिक्षाविद् एक साथ आए।

अनुवाद की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए, एनबीटी अपनी पुस्तकों के अरबी अनुवाद की संभावनाओं को खोजने हेतु इंडो-अरब साहित्यिक केंद्र के साथ सहयोग कर रहा है। इस विषय में सभी औपचारिकताओं की पूर्ति के पश्चात दिल्ली में स्थित केंद्र के साथ एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएँगे।

मेले के दौरान प्रकाशन एवं पुस्तक व्यापार से संबंधित अनेक व्यावसायिक कार्यक्रम आयोजित हुए। इसमें विभिन्न देशों से आए 50 से अधिक वक्ताओं ने 30 विशेष सत्रों में भाग लिया, जिसमें पुस्तक प्रकाशन के भविष्य की चुनौतियों, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक तथा बाल पुस्तकों के क्षेत्र में, पर चर्चा की गई।

यद्यपि मध्य-पूर्व एक तकनीकी प्रेमी क्षेत्र है जहाँ 25 वर्ष की आयु से कम की जनसंख्या का लगभग 50 प्रतिशत टैबलेट्स और मोबाइल यंत्रों का प्रयोग करता है, फिर भी प्रकाशकों को ई-पुस्तकें लाभ प्रदान नहीं करतीं। परंतु वे आश्वस्त हैं कि भविष्य में बाजार तेजी से डिजिटल हो जाएगा।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले की ही तरह अबूधाबी अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला भी एक अद्वितीय मेला है जो उपभोक्ताओं एवं आगंतुकों के लिए व्यापारिक अवसर प्रदान करने के साथ-साथ समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक व शैक्षिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है। यह एक बढ़ता हुआ बाजार है जिससे भारतीय प्रकाशकों को लाभ उठाना चाहिए।

मेले में ट्रस्ट के उप-निदेशक (विक्रय), श्री इमरान-उल हक ने ट्रस्ट-निदेशक के साथ मेले में भाग लिया।

बोलोना में बाल पुस्तक मेला

'बोलोना बाल पुस्तक मेला' बाल साहित्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय महोत्सव है। इस वर्ष यह पुस्तक मेला 25 से 28 मार्च, 2013 तक आयोजित हुआ। इस मेले की शुरुआत सन् 1964 में हुई थी। अतः इस वर्ष मेले की 50वीं वर्षगांठ बनाई गई। मेले में विभिन्न भारतीय प्रकाशकों द्वारा लाई गई भारतीय बाल पुस्तकों की सामूहिक प्रदर्शनी हेतु एनबीटी को 35 वर्ग मीटर स्थान मिला। मेले में एनबीटी द्वारा पुस्तकों का एक सूची-पत्र, 'एनबीटी एक नजर में' पुस्तिका, आगामी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2014 से संबंधित पत्रक, 'कलरिंग इंडिया एंड बियॉन्ड' शीर्षक पुस्तिका तथा एक विशिष्ट विवरणिका 'एक्सपैंडिंग द ट्रांस्लेशन सर्कल' का प्रदर्शन किया गया। पुस्तक मेले में अन्य प्रतिभागियों की भारत में रुचि पैदा करने के लिए इन सभी प्रचार सामग्रियों को मेले में व्यापक रूप से परिचालित किया गया।

मेले में नियमित रूप से आयोजित होने वाली गतिविधियों में बीओपी बोलोना पुरस्कार, चित्रकारों की प्रदर्शनी, बोलोना रागाज़्ज़ी पुरस्कार, बोलोना रागाज़्ज़ी डिजिटल पुरस्कार, साहित्यिक प्रतिनिधि केंद्र तथा द चिल्ड्रन म्यूजियम पुरस्कार शामिल हैं। मेले में

विशिष्ट अतिथि देश का दर्जा स्वीडन को दिया गया। इन गतिविधियों के अलावा इस पुस्तक मेले की प्रभावी व पारंपरिक विशेषता यहाँ आयोजित 'चित्रकारों की प्रदर्शनी' है, जो एक पुस्तक की सफलता में चित्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है। इस मेले की यही विशेषता इसे अन्य मेलों से अलग साबित करती है। यहाँ विश्वभर से आए चित्रकार 'पुस्तक मेला प्राधिकरण' के समक्ष अपना कार्य प्रस्तुत करते हैं। इसके पश्चात ये प्रविष्टियाँ निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकित की जाती हैं और चयनित चित्र पुस्तक मेले में प्रकाशित होने वाली पुस्तिका के हर संस्करण में शामिल किए जाते हैं। यही चित्र मेले में विशिष्ट रूप से प्रदर्शित भी किए जाते हैं। इस वर्ष लगभग 77 चित्रों को चुना गया। मेले में आयोजित 'चित्रकारों की प्रदर्शनी' हेतु एनबीटी ने पहली बार प्रसिद्ध भारतीय चित्रकारों की एक दर्जन से अधिक प्रविष्टियाँ भेजीं।

यह बाल पुस्तक मेला बाल साहित्य का सृजन करने वालों के लिए एक वार्षिक बैठक केंद्र के रूप में साबित हुआ। मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि मेला परिसर में ही अनेक विख्यात चित्रकार आगंतुकों के साथ रूबरू होते नजर जाए। मेले में इन चित्रकारों को एक पृथक स्थान दिया गया, जहाँ वे आगंतुकों को व्यापार प्रसार हेतु अपना पता दे सकें।

मेले में विभिन्न प्रकाशकों/चित्रकारों/प्रतिनिधियों के साथ कई बैठकों की व्यवस्था भी की गई, जिनमें प्रमुख थे–युवाओं के लिए पुस्तकों पर अंतरराष्ट्रीय बोर्ड, ताइपे पुस्तक मेला फांउडेशन, हिब्रू साहित्य के अनुवाद हेतु संस्थान (आईटीएचएल), सिओल (दक्षिण कोरिया) की ब्रेल प्रकाशन कंपनी लिमिटेड, हार्पर कॉलिंस ऑस्ट्रेलिया तथा कैमरून सरकार के प्रतिनिधि। बैठकों के दौरान, विभिन्न विषयों जैसे प्रतिलिप्यधिकार-विनिमय, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में भागीदारी आदि पर प्रत्येक सहभागी के साथ सार्थक संवाद स्थापित किया गया।

मेले में दक्षिण कोरिया की ब्रेल प्रकाशन कंपनी के साथ हुई बैठक सबसे अहम साबित हुई। उनकी ब्रेल पुस्तकों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वे उन्नत प्रौद्योगिकी का अधिकतम लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं जो कि एक अतुलनीय विचार है, जिसे

हमें भी प्रयोग में लाने की आवश्यकता है, क्योंकि हम भी ब्रेल लिपि में प्रकाशन करते हैं। साथ ही, विश्व के कुल दृष्टि-अक्षमों का अधिकतर भाग भारत में ही विद्यमान है। आंकड़े दर्शाते हैं कि पूरे विश्व में दृष्टि-अक्षमों की कुल संख्या 37 करोड़ है, जिसमें से 15 करोड़ भारत से हैं। अतः हमें इस क्षेत्र में कदम उठाने की आवश्यकता है।

युवाओं के लिए पुस्तकों पर अंतरराष्ट्रीय बोर्ड (आईबीबीवाई) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक इस मेले की एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। आईबीबीवाई की कार्यप्रणाली एनबीटी के समान ही है तथा उनके 'बच्चों के लेखक व चित्रकार संघ' (एडब्ल्यूआईसी) में एक भारतीय विभाग भी है। बैठक के दौरान, एनबीटी के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने अनुरोध किया कि भारतीय बाल-साहित्य में आए नए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए एडब्ल्यूआईसी के इस भारतीय विभाग को और अधिक सक्रिय तथा गतिशील बनाया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को बढ़ावा दिया जा सके।

भारतीय सामूहिक प्रदर्शनी की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि 'नेहरू बाल पुस्तकालय' की गोवा कार्यशाला की नई पुस्तकों को भारतीय मूल के साथ-साथ विदेशी प्रतिभागियों द्वारा भी व्यापक रूप से सराहा गया। जो पुस्तकें आकर्षण का केंद्र रहीं उनमें शामिल थीं– *कलर, पुंतीज़ वेडिंग, द रॉयल स्वीपर* तथा *फ्लिटर-फ्लटर*।

ट्रस्ट के प्रतिनिधि मंडल में ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर तथा ट्रस्ट में संपादक श्रीमती नीरा जैन शामिल थीं।

पुस्तक समीक्षा

कथा सर्कस (उपन्यास)
प्रकाश मनु; पृ. 512 ₹ 695
इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, के-71, कृष्णा नगर, दिल्ली-51
यह उपन्यास आज के जीवन और साहित्यिक दुनिया के अंदर का ऐसा कोलाज है जिसमें किसिम-किसिम के पात्र हैं, तरह-तरह की चाल-ढाल वाले प्राणी हैं। असल में मौजूदा साहित्यिक दौर का सर्कस है 'कथा सर्कस'।

नये सिरे से (कहानी संग्रह)
गोविन्द मिश्र; पृ. 136 ₹ 195
किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-02
जैसे कलाहीनता ही सर्वोच्च कला कही जाती है वैसे ही कथा में जब कला, शिल्प, भाषायी सौष्ठव मिलकर एक हो जाते हैं तो वहाँ ही कथा का असली रूप दिखाई पड़ता है। चौदह कहानियों का यह संग्रह ऐसा ही है।

सूर-काव्य : विविध आयाम (आलोचना)
डॉ. अशोक भाटिया; पृ. 128 ₹ 200
शांति पुस्तक मंदिर, 71, ब्लॉक-के, लाल क्वार्टर, कृष्णा नगर, दिल्ली-51
सूरदास ने अपने काव्य से कृष्ण के नाना रूप को गढ़कर लोक में प्रसिद्ध किया। सूर के पद सदियों से लोगों का मन मोहते रहे हैं। विद्वान लेखक ने सूर के पदों की विवेचना के साथ ही सूर-काव्य के विविध आयामों को पाठकों के सामने रखा है।

समझदार किसिम के लोग (कविता संग्रह)
लालित्य ललित
पृ. 160 ₹ 160
बोधि प्रकाशन, एफ-77, सेक्टर-9, रोड नं. 11, करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, बाईस गोदाम, जयपुर-302006
जो लीक पर ही चले तो वह कवि कैसा! कवि लालित्य की कविताओं को पढ़ें तो इसमें न कहीं छंद का विचार है, न लय, न ताल। दरअसल, कवि ने ताल ठोंककर कविता लिखी है। अपनी ही लय में प्रवाहित इस संग्रह में कवि जो कहता है, दिल से कहता है।

परित्यक्ता (खंड काव्य)
हरीलाल 'मिलन'
पृ. 168 ₹ 250
आशीष प्रकाशन, कानपुर
इस खंड काव्य में महर्षि वाल्मीकि आश्रम से लेकर सीता का भूगर्भ में प्रवेश तक का विवरण है।

कामनाओं के चक्रव्यूह (कहानी संग्रह)
रघुनंदन शर्मा; पृ. 160 ₹ 250
पारुल प्रकाशन, 35, प्रताप एन्क्लेव (मोहन गार्डन), दिल्ली-59
हमारे जीवन और परिवेश से कथानक लेकर इस कहानी संग्रह का ताना-बाना बुना गया है। आम बोलचाल की शैली में लिखी गई हर कहानी जीवन की किसी सत्य घटना का बयान करती-सी प्रतीत होती है।

चाय के प्याले में गेंद (कहानी संग्रह)
विजयमोहन सिंह
पृ. 120 ₹ 200
राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि., 7/31, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
कथा को केवल बुद्धि विलास नहीं वरन अपने समय और समाज का आईना भी होना चाहिए। कथाकार ने अपनी इस धारणा को यहाँ मूर्त रूप दिया है। नौ कहानियों का संग्रह, जिनमें अनुभूति की ताजगी बरकरार है।

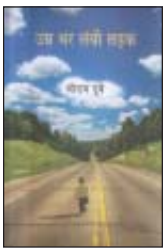

उम्र भर लंबी सड़क (उपन्यास)
श्रीराम दूबे; पृ. 320 ₹ 495
सामयिक प्रकाशन, 3320-21, जटवाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली-02
इस उपन्यास में मालवा क्षेत्र के लोक जीवन के अनेक रंग शामिल हैं। इसमें बदलते समय की धड़कन इस दृश्यात्मकता के साथ उपस्थित है कि पाठक स्वयं को दर्शक में बदलता महसूस करता है।

काची नीम की निमोली (कहानी संग्रह)
बी. एस. बीर; पृ. 184 ₹ 300
भारतीश्री प्रकाशन, 10/119, सूरजमल पार्क साइड, पटेल गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-32
हरियाणा की पृष्ठभूमि एवं परिदृश्य से जुड़ी 21 कहानियों के इस संग्रह में हरियाणा का समाज और वहाँ की संस्कृति मूर्तमान हुई है। हरियाणवी जन-जीवन का गहराई से यहाँ अंकन हुआ है।

बाइपास (उपन्यास)
मलिक राजकुमार
पृ. 168 ₹ 350
श्री नटराज प्रकाशन, ए-507/12, साउथ गामड़ी एक्स., दिल्ली-53
लेखक की इस औपन्यासिक कृति में नई एवं पुरानी पीढ़ी के द्वंद्व की अभिव्यक्ति हुई है।

डार से बिछुड़ते हुए (कविता संग्रह)
सतीश वर्मा; पृ. 96 ₹ 200
साहित्यागार, 958, धामाणी मार्केट की गली, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003
समय, समाज और परिवेश के दृष्टिगत भिन्न-भिन्न भावबोधों की कविताओं का संचयन है यह संग्रह। अंधेरे को चीरकर रोशनी छूने की तड़प भी दिखती है यहाँ।

आत्ममंथन (निबंध संग्रह)
फूलचंद रजक 'अकेला'; पृ. 88 ₹ 150
श्री श्रद्धा ऑफसेट प्रिंटर्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, म.प्र.
सुख हमारे अंदर ही है, इसे कहीं बाहर खोजने की जरूरत नहीं है। इसी तरह, सफलता कोई अलग से नहीं आती। निरंतर प्रयास से इसे हासिल किया जा सकता है। इन्हीं सब बातों को निबंध रूप में लिखा गया है।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के नवीनतम प्रकाशन

मोतीलाल नेहरू

बंशीधर मिश्र पृ. 150 ₹ 80

बैरिस्टर मोतीलाल के वैभवपूर्ण जीवन से लेकर विशुद्ध स्वतंत्रता सेनानी के बलिदान की गाथा प्रस्तुत की गई है इस पुस्तक में। मोतीलाल नेहरू के जीवन का जीवंत दस्तावेज। ISBN 978-81-237-6799-4

मेरे श्रेष्ठ लघु नाटक

प्रताप सहगल पृ. 186 ₹ 85

प्रताप सहगल के नाटकों को पढ़ते हुए पाठक इतिहास और समय से सीधा साक्षात्कार करता है। उनके नाटकों में अपने समय की समस्याओं के साथ सीधा मुठभेड़ भी परिलक्षित होता है।

ISBN 978-81-237-6806-9

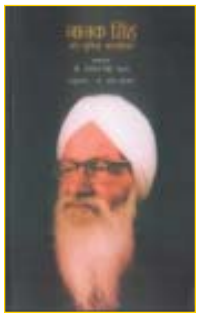

नानक सिंह की चुनिंदा कहानियाँ

संपा. : डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन'

अनु. : डॉ. शशि सहगल पृ. 238 ₹ 110

तीस कहानियों का यह संग्रह कथाकार नानक सिंह की सामाजिक चेतना का आईना है। कहानी में पठनीयता है। संपादक की संपादकीय दृष्टि ने भी पुस्तक की पठनीयता बढ़ाई है। ISBN 978-81-237-6802-1

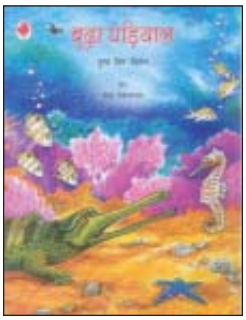

बूढ़ा घड़ियाल

पुष्पा सिंह 'विसेन'

चित्र : नीता गंगोपाध्याय पृ. 16 ₹ 25

समुद्र में प्रतिदिन छोटी मछलियाँ व अन्य छोटे जलचर गायब होने लगे। सब हैरान। अंततः एक बूढ़े घड़ियाल ने जलपरी महारानी को सच्चाई बताई और तबसे सब जलचर चैन से रहने लगे।

ISBN 978-81-237-6795-6

कुंभ के मेले में मंगलवासी

अरविन्द मिश्र पृ. 82 ₹ 55

एक विज्ञान गल्प। संकलन में 11 ऐसी कहानियाँ हैं जो अध्यात्म, धर्म, आस्था को संजोये हुए विज्ञान की मिठास से परिपूर्ण हैं। कहानी में कौतूहल है, रोमांच है।

ISBN 978-81-237-6808-3

गुलाब का दोस्त

तरसेम

चित्र : उत्तम कुमार बाला पृ. 32 ₹ 45

सुहेल ने कैसे मुर्झाए गुलाब के पौधे में खाद और पानी डालकर उसे सूख जाने से बचाया, पर्यावरण संबंधी संदेश देती एक बाल पुस्तक।

ISBN 978-81-237-6794-9

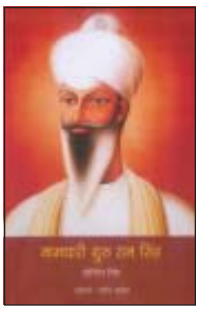

नामधारी गुरु राम सिंह

जोगिंदर सिंह

अनु. : प्रदीप कुमार पृ. 176 ₹ 85

पंजाब में 1857 के दौर में कूका आंदोलन के प्रणेता, स्वदेशी के पैरोकार एवं समाज सुधारक गुरु राम सिंह के जीवन एवं कर्म का प्रामाणिक विवरण है यहाँ।

ISBN 978-81-237-6784-0

सितारों से आगे

विमला भंडारी

चित्र : फजरुद्दीन पृ. 102 ₹ 35

15 कहानियों का संकलन।

ISBN 978-81-237-6606-5

जायजा जादू जगत का

दिलचस्प पृ. 104 ₹ 60

जादू एक कला है, विज्ञान और मनोविज्ञान के घालमेल से तैयार कला। चाहें तो इसे मनोरंजन मानें या चाहें तो करिश्मा। पुस्तक जादू-जगत की सच्चाइयों से परिचित करवाती है; जादूगरों के किस्से भी हैं।

ISBN 978-81-237-6800-7

जादू की सूइयाँ

डॉ. यतीश अग्रवाल,

डॉ. रेखा अग्रवाल पृ. 72 ₹ 75

डॉक्टर दंपती द्वारा चिकित्सा जगत की अनेक रोमांचक कहानियों को बहुत ही रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है।

ISBN 978-81-237-6640-9

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL (SW) 1/4077/2012-14
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2012-14
Mailing date 15/16 same month
Date of publication 08/06/2013

चिट्ठीघर

पुस्तक मेलों, प्रदर्शनियों, लोकार्पण आदि के बारे में **संवाद** ढेर सारी जानकारी लेकर प्रकट होता है। गत अंक में गंगटोक, औरंगाबाद, मुंबई, छत्तीसगढ़, लखनऊ आदि जगहों पर आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई थी। 'पुस्तक समीक्षा' तथा ट्रस्ट के नए प्रकाशनों के माध्यम से नई-नई पुस्तकों के बारे में जानकारी मिल जाती है।

डॉ. प्रीतपाल सिंह महिरोक, होशियारपुर, पंजाब

समाज के प्रत्येक वर्ग में पुस्तकों द्वारा साहित्यिक अभिरुचि जगाकर और अंततः देश में पुस्तक संस्कृति का निर्माण कर **ने.बु.ट्र संवाद** बेजोड़ काम कर रहा है।

गजानन पाण्डेय, काचीगुडा, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश

प्रकाशन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देकर बौद्धिक पाठकों का ज्ञानवर्द्धन करना **संवाद** की सबसे बड़ी विशिष्टता है। पुस्तक समीक्षा स्तंभ मेरा सर्वाधिक पसंदीदा है। ट्रस्ट-निदेशक के साक्षात्कार से अनेक नई जानकारी मिली। गागर में सागर की तरह है यह पत्र।

अनिरुद्ध प्रसाद विमल, संपा.–समय, बाँका, बिहार

संवाद मार्च अंक पढ़कर मन गद्गद हुआ। आवरण और मुद्रण श्रेष्ठ है। हर अंक में नई पुस्तकों का परिचय अच्छा लगता है। **डॉ. जयसिंह अलवरी,** सिरुगुप्पा, वल्लारी, कर्नाटक

साहित्यिक संवाद का
अद्भुत यह विज्ञान
पुस्तक मेलों से दिया
ज्ञान, मान, सम्मान।

रामेश्वर प्रसाद गुप्त 'इंदु', बड़ागाँव, झाँसी, उ.प्र.

पाठक मंच बुलेटिन
बच्चों की द्विभाषी पत्रिका
वार्षिक शुल्क : ₹ 50.00

संपादक, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया
फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070

सेवानिवृत्ति

श्री आर.एस. नेगी ट्रस्ट में लगभग 42 वर्षों की लंबी सेवा के उपरांत 31 मई, 2013 को सेवानिवृत्त हो गए। श्री नेगी सेवानिवृत्ति के समय ट्रस्ट में गेस्टेटनर ऑपरेटर थे। उन्होंने अक्तूबर, 1971 में ट्रस्ट में सेवारंभ किया। अपनी लंबी सेवा-अवधि में उन्होंने ट्रस्ट के अनेक विभागों, यथा–उत्पादन, प्रदर्शनी तथा प्रशासन में अपनी सेवाएँ दीं। ट्रस्ट के उनके समस्त सहयोगी उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु होने की कामना करते हैं।

आगामी पुस्तक मेले

मुंबई पुस्तक मेला, महाराष्ट्र	–	मई-जून, 2013
श्रीनगर पुस्तक मेला, जम्मू-कश्मीर	–	जून, 2013
कन्याकुमारी पुस्तक मेला, तमिलनाडु	–	जुलाई, 2013
बिलासपुर पुस्तक मेला, छत्तीसगढ़	–	सितंबर, 2013
चेन्नई पुस्तक मेला, तमिलनाडु	–	सितंबर, 2013
भोपाल/इंदौर पुस्तक मेला, मध्य प्रदेश	–	अक्तूबर, 2013
इलाहाबाद पुस्तक मेला, उत्तर प्रदेश	–	अक्तूबर, 2013
बाल पुस्तक मेला, कोचीन/तिरुवनंतपुरम	–	अक्तूबर-नवंबर, 2013
राँची/पटना पुस्तक मेला, बिहार	–	नवंबर, 2013

नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद* भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का मुख पत्र है।

इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से ट्रस्ट की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **बलदेव सिंह 'बद्दन'**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
उत्पादन सहयोग : **नरेन्द्र कुमार**

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेलः nbtindia@nbtindia.org.in
वेबसाइट : www.nbtindia.gov.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद*** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की ओर से सतीश कुमार द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा पुष्पक प्रेस प्रा.लि., 203-204, डी.एस.आई.डी.सी. शेड, फेज-I, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित और नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 से प्रकाशित। संपादक बलदेव सिंह 'बद्दन'।

एस.एस. इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, जी.जी.-1/36बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018 से टाइपसेट।

भारत सरकार के सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070